भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 201
सोमवार, 22 जुलाई, 2024/31 आषाढ़, 1946 (शक)

बेरोजगारी में वृद्धि

201. श्री के. राधाकृष्णन:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने वर्ष 2024 में बेरोजगारी में संभावित वृद्धि का संज्ञान लिया है;

(ख) क्या हाल के वर्षों में देश में बेरोजगारी की दर बढ़ी है;

(ग) क्या भारत में वास्तविक मजदूरी में वृद्धि अन्य विकासशील देशों के समान नहीं थी; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री
(सुश्री शोभा करंदलाजे)

(क) से (घ): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा वर्ष 2017-18 से करवाए जा रहे आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से रोजगार और बेरोजगारी के आंकड़े एकत्र किए जाते हैं। इस सर्वेक्षण की अवधि, जुलाई से अगले वर्ष जून तक होती है।

नवीनतम उपलब्ध वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्टों के अनुसार, वर्ष 2020-21, वर्ष 2021-22 और वर्ष 2022-23 के दौरान सामान्य स्थिति के आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र के अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर) क्रमशः 4.2%, 4.1% और 3.2% थी। यह आंकड़ें दर्शाते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में बेरोजगारी दर में गिरावट की प्रवृत्ति हुई है।

नवीनतम उपलब्ध वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्टों के अनुसार, वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) के आधार पर, पिछले कैलेंडर माह के दौरान, नियमित वेतन/वेतनभोगी कर्मचारियों द्वारा औसत वेतन/वेतन आय, अप्रैल-जून, 2018 की अवधि के दौरान 16,848/- रु. की तुलना में अप्रैल-जून, 2023 की अवधि के दौरान बढ़कर 20,039/- रु. हो गई, जो नियमित वेतन/वेतन में 18.94% की वृद्धि दर्शाता है।

*****